भारत सरकार

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय

पशुपालन और डेयरी विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 2003

दिनांक 03 मार्च, 2020 के लिए प्रश्न

विषयः लद्दाख में पशु चिकित्सा विज्ञान और पशुपालन संस्थान

2003. श्री जामयांग शेरिंग नामग्यालः

क्या मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या लद्दाख में अधिकतर लोगों की कृषि और पशुपालन पर निर्भरता को देखते हुए लद्दाख संघ राज्य क्षेत्र में सरकार द्वारा पशुचिकित्सा विज्ञान और पशुपालन संबंधी कॉलेज/संस्थान खोलने की योजना है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री

(डॉ. संजीव कुमार बालियान)

(क) और (ख) जी नहीं। केंद्र सरकार द्वारा लद्दाख में पशुचिकित्सा विज्ञान और पशुपालन महाविद्यालय शुरू करने का कोई निर्णय नहीं किया गया है।

(ग) पशुचिकित्सा महाविद्यालय की स्थापना संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र में प्रशिक्षित पशुचिकित्सा जनशक्ति की आवश्यकतानुसार होती है। तथापि, राष्ट्रीय कृषि आयोग, 1976 की सिफारिशों के अनुसार प्रत्येक 5000 गोपशु यूनिटों के लिए एक पशुचिकित्सक होना चाहिए। 20 वीं पशुधन संगणना डेटा के अनुसार, लद्दाख संघ राज्य क्षेत्र में 184192 गोपशु यूनिट हैं और इस प्रकार लद्दाख संघ राज्य क्षेत्र में पशुपालन एवं भेड़ पालन विभाग में कार्यरत कुल 61 पंजीकृत पशुचिकित्सकों के मुकाबले केवल 37 पशुचिकित्सकों की आवश्यकता परिकलित की गई है।

*****